क्रमांक 775-छ(II)-83/22145.--श्री राम किशन, पुत्र श्री शिव लाल, गांच बहलवा, तहसील महम खिला रोहतक, की दिनांक 26 मई, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राष्ट्रयाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि [उस हरियाणा राष्ट्रय में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन निया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शवितयों का प्रयोग करते हुए श्री राम किशन को मुल्लिग 300 रुपयें वार्षिक की जागीर जो उसे ुहिर्याणा सरकार की श्रीवर्त्वमा अमांक 3907-ज-(II)-72/38546, दिनांक 13 प्रवस्त्वर, 1972, तथा अधिसूचना अमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 हारा मन्जूर की गई थी, श्रव उसकी विधवा श्रीमती जीवनी देवी के नाम खरीफ, 1981 से 300 स्पये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत श्रदान करते हैं।

क्रमांक 746-ज(II)-83/22149.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिधितयम, 1948 (जैसा कि इसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के श्रनुसार सोप गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री मंगला राम, पुत्र श्री घीसु राम, गांव श्रचीना, तहसील दादरी, जिला मिवानी को रबी 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपए वार्षिक तथा र्वी, 1980 से 300 रुपए वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के श्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 19 जुलाई, 1983

क्रमांक 820-ज-II-83/23177. श्री फूल सिंह, पुत्र श्री बुजा राम, गांव बेरला, तहसील दादरी, जिला भिवानी, की दिनांक 8 अनत्वर, 1976, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपोल, पूर्वी पंजाव युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए श्री फूल सिंह को मुक्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 296-ज(I)-71/27313, दिनांक 9 सितस्वर, 1971 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती खेमली के नाम रवी, 1977 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में वी गई शतों के अन्तर्गंत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 776-ज(I)-83/23186.—श्री श्योनन्द, पुत्र श्री धंम सिंह, गांव दराना, तहसील झःजर, जिला रोहतक, की दिनांक 16 जून, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि जसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री श्योनन्द को मुब्लिय 300 रुपये वाजिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 5083-जे.एन.-(III)-66/9724, दिनांक 27 मई, 1966 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979, द्वारा मंजूर की गई थी, प्रब इस की विधवा श्रीमती दाना देवी के नाम रबी, 1982 से 300 रुपये वाजिक की दर से समक्ष में दी गई शर्तों के अन्तर्गंत प्रदान करते हैं।

ऋमांक 867-ज(I) 83/23182.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भाषनाया गया है भौर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती शान्तीं देवी, विषया श्री विश्वम्बर नाथ, निवासी करनाल, तहसील व जिला करनाल, को खरीफ, 1965 से रबी, 1970 तक 100 एपये वाष्टिक, खरीफ, 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपए वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपए वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

क्रमांक 783-ज(I)-83/23198.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार भ्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भ्रपनाया गया है भ्रीर उसमें भ्राज तक संगोधन किया गया है जैनी धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए भ्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री मेला सिंह, पुत्र श्री शंम सिंह, गांव डबखेडी, तहसील थानेसर जिला कुरुक्षेत्र, को खरीफ़, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपए वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपए वार्षिक की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शतों के भ्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।